

जातसंबद्धः *geboren und gross geworden* R. 1, 8, 8. संकारं^o M. 8, 89. (अपत्यस्य) जातस्य परिपालनम् 9, 27. यस्य ते वीजतो जाताः (पुत्राः) 181. जातो ज्येष्ठायाम् 124. द्विजस्त्रियां सूतस्तु क्षत्रियाञ्जातः H. 898. ब्रह्मयामस्मि वैश्येन जातः R. 2, 63, 48. H. 899. न त्वं कैकयर्जिन जाता R. GOBR. 2, 73, 21. मासजात *vor einem Monat geboren, einen Monat alt* Sch. zu P. 2, 2, 5. 6, 2, 170 und 2, 2, 36, V Artt. 1. सप्ताहजात MBh. 8, 3389. पुत्रो जातः *ein schlechtweg nur geborener Sohn = पुत्रो मातुस्तुल्यगुणः* PANKAT. I, 441. 442. अग्निमिव जातमग्निं सं धमामि AV. 8, 2, 4. तस्य कृष्णारवाञ्जाताः काश्वोजाः VIČV. 3, 2. वृताः *gewachsen* LĀTJ. 8, 3, 4. अन्यदुत्तं जातमन्यत् M. 9, 40. सुवीजं चैव सुनेत्रे जातं संपद्यते यथा 10, 69. सस्यस्य जातस्य 9, 49. श्रोषधीनां जातानां च स्वयं वने 11, 144. 6, 16. JĀGŪ. 2, 228. SUND. 4, 10. R. 1, 9, 33. MEGR. 27. HIT. I, 62. VARĀH. BRH. S. 53, 61. 54, 13. मणिकन्धजाताः (पितृकाः) *entstanden, sich zeigend an* VARĀH. BRH. S. 51, 5. 6. 8. हार्दात्तस्य मतिर्जाता व्याख्यातुं पितरं स्वकम् R. 4, 9, 27. 2, 44. तस्य कात्या मकानुद्घेतो जातः VET. 2, 11. संप्रति संदेहनिर्णयो जातः *ist entstanden, ist da* ČĀK. 27. प व र ल एषां स्थाने क्रमेण जाता *(an die Stelle getreten)* भाविनो वा इ उ ङ लृ P. 1, 4, 45, Sch. VOP. 4, 8. अथ प्रातरेवानिष्टदर्शनं जातम् *hat sich zugetragen* HIT. 9, 7. राज्ञा सह दर्शनं जातम् VET. 28, 15. — b) *geworden*: प्रकृतिस्था व्यं जाताः HARIV. 8708. ČĀK. 60. 97. 143. 185. सकले जाते वारिङ्गे AMAR. 9. बहुतर इव जातः RT. 1, 26. MEGR. 81. सैव (वेत्रयष्टिः) जाता प्रस्थानविज्ञावगतेरवलम्बनार्थम् (v. l. अवलम्बनार्थम् und अवलम्बनार्था) ČĀK. 100. जातम् *impers. mit dem instr. des subj. und praed.*: अथ ताम्बूलोरामन्यत्यागनिश्चलमूर्तिना । जातं राजकुरङ्गेण प्रमोदास्पन्ददृष्टिना ॥ RĀGĀ-TAR. 3, 364. *seiend*: जातसन्नेह MBh. 3, 11081 (S. 572). — c) *schon entstanden so v. a. gegenwärtig*: जात, अनिष्यमाण TS. 2, 6, 2, 3. 6, 2, 5, 2. VS. 13, 1, 32, 1. (सपत्नान् पूर्वां जातौ उतापरान् AV. 10, 3, 13. जातमित्यब्रवीत्कार्यम् *das Zuthuende ist gegenwärtig, jetzt gilt es zu handeln* MBh. 1, 881. *vorhanden, Jmd. gehörig*: यमस्य जातममृतं यनामहे RV. 1, 83, 5. उञ्जातमिन्द्र ते शवः (वाक्धुः) 8, 51, 10. *vor-rätig*: जातताम्बूल PANKAT. II, 16. — d) *häufig am Anf. eines adj. comp. in der Bed. geboren, gewachsen, entstanden, da seiend, vorhanden*: जातपुत्रा *der ein Sohn geboren ist, einen Sohn habend* BRĀHMAN. 2, 32. gaṇa *आहिताभ्यादि* zu P. 2, 2, 37. जातापत्या AK. 2, 6, 4, 16. H. 339. जातपत्त *dem die Flügel schon gewachsen sind, schon Flügel habend* MBh. 12, 9305. अजातराम *unbehaart* 3, 10053. अजातलोमन् *dass. नाजातलोम्योपकासमिच्छेत् deren Scham noch nicht behaart ist* GOBR. 3, 5, 3. PĀR. GRBJ. 2, 7. जातदत्त *schon Zähne habend* M. 5, 70. gaṇa *आहिताभ्यादि* zu P. 2, 2, 37. °अमश्रु *ebend. अजातभृङ्ग* AK. 3, 4, 25, 167. जातपाश *gefesselt* ČĀK. 32, v. l. जाताश्रु *weinend* AMAR. 97. जातरस *schmackhaft* SUČR. 1, 163, 9. 17. 191, 17. जातराष *erzürnt* R. 1, 1, 4. °कौतूहल 9, 23. SĀV. 6, 27. °स्नेह *verliebt, mit Liebe an Etwas hängend* BRĀHMAN. 1, 18. °मन्य *Indr.* 4, 17. °संकल्प N. 3, 8. °बल *erstarkt, stark* (अग्नि) M. 12, 101. °प्रत्यय PANKAT. 37, 4. 182, 21. आत्मतुल्यजातपराक्रस 232, 13. जातास्य KATHĀS. 4, 12, 25, 25. जातहर्ष *erfreut* VID. 112. 216. जातिकभक्ति BHĀG. P. 1, 13, 2. °भाव 3, 23, 37. जाताभिषङ्ग RAGH. 2, 30. जातब्राह्मणशब्द *der das Wort Br. im Munde führt, der stets an die Br. denkt* (KULL.): जातो ब्राह्मणाश्रितो ऽयमिति शब्दो यस्य M. 10, 122. Nicht selten sind die beiden Glieder des comp. *verstellt* P. 6, 2, 170. 171. 2, 2, 36, V Artt. 1. पुत्रजात *einen Sohn habend*

P. 6, 2, 170, Sch. gaṇa *आहिताभ्यादि* zu P. 2, 2, 37. अमश्रुजात *ebend. दत्तजात schon Zähne habend* *ebend.* P. 6, 2, 171, Sch. M. 5, 58. अदत्तजात ĀČV. GRBJ. 4, 4. किणजात *mit Schwielen versehen* MBh. 3, 11005. प्रीति-सौमनस्यजात LALIT. ed. Calc. 6, 12. Vgl. अजात, अर्थजात. — 2) m. a) *Sohn*: जातेन जातमति स प्र संमृते ये यं युञ्जं कृणुते ब्रह्मणास्पतिः RV. 2, 23, 1. AV. 14, 9, 6. तस्मादपि प्रतिबुधं जातमाहुर्हृदयादिव सूतः ČAT. BR. 14, 6, 9, 23. किं तेन जातु जातेन मातुर्यौवनकारिणा PANKAT. I, 32. — b) *ein Lebender, lebendes Wesen* (von Menschen und Göttern, vorzugsweise aber von den ersteren): जातो जातो उभयां अतरमे RV. 4, 2, 2. जातेरजातो अग्नि ये ननुतुः 5, 15, 2. 10, 12, 3. यस्मात्त्र जातः परो अन्वो अस्ति VS. 8, 36. ये जाता ये चं युञ्जियाः AV. 18, 4, 57. — c) pl. n. pr. eines Stammes der Haiha-ja VĀJU-P. in VP. 418, N. 20. — 3) n. a) *ein lebendes Wesen, Geschöpf*: विश्वा जातानि पस्पथे RV. 1, 128, 4. 3, 54, 8. श्रेष्ठो जातस्यं रूद्र अग्न्यासि 2, 33, 3. 6, 25, 5. 7, 82, 5. 8, 51, 2. पञ्जं जाता (vgl. u. कृष्टि, जन) 6, 61, 12. — b) *Geburt, Ursprung* (TRIK. 3, 3, 156. H. an. 2, 168. MED. t. 18); *Wesen*: उपस्तुत्यं मार्कं जातं तै अर्वन् RV. 1, 163, 1. यो जातमस्य मकृतो मक्ति ब्रवंत् 136, 2. मकृतान्गो मकृता जातमेषाम् 3, 31, 3. अग्निर्गृता (hierher oder zu c) देवानामग्निर्वैदं मतीनामप्योच्यम् 8, 39, 6. केन जातेनासि जातवैदाः AV. 5, 11, 2, 3. — c) *Geschlecht, Art, genus*: eine Gesamtheit zusammengehöriger Dinge: पिशाच्याः AV. 1, 16, 3. सर्पाणाम् 10, 4, 23. रुद्राणाम् ČAT. BR. 9, 1, 1, 19. ब्राह्मणजात 13, 4, 2, 17. देवजातानि 14, 4, 2, 24. सप्तदशैकैकस्य जातस्य LĀTJ. 8, 11, 16. क्षत्रजात RAGH. 11, 71. षडेव स्वरितजातानि Ind. St. 4, 139. चतुर्विधस्थूलशरीरजातम् VEDĀNTAS. (Allah.) No. 93. चतुर्णां शत्रुजातानाम् MBh. 13, 215. वाक्यं^o SĀJ. bei BURN. in der Einl. zu BHĀG. P. I, x. किमन्नजातमिष्टं ते MBh. 13, 2741. विध्यतो मृगजातानि *alle Arten von Thieren* 4, 143. आयुधजातानि R. GOBR. 2, 39, 19. इदमलंकारजातम् *hier ist eine besondere Art Schmuck* ČĀK. 30, 2, v. l. (Sch.): जात = समूह). करुति दोषजातानि नरं जातं यथेच्छकम् MBh. 12, 1500. यदि चा दोषजातं त्वं परदोषेषु पश्यसि *für eine Art Sünde, für etwas Sündhaftes* 1502. सर्वेषां धनजातानामादृताग्र्यमग्रजः *von Allem was Besitz heisst* M. 9, 114. सर्वं वा रिक्थजातम् 152. तत्र यद्विकथजातं स्यात् 190. सर्वं शास्त्रजातम् KULL. zu M. 2, 8. सकलस्य कार्यजातस्य ders. zu 1, 6. कर्मजातम् *alles was Geschäft heisst* ders. zu 7, 61. निःशेषविश्राणितकोशजात RAGH. 5, 1. मन्त्रजात v. l. für मन्त्रग्राम MBh. 1, 3049. प्रागत्त्रिरत्नगमनात्स्वमपत्यजातमन्यैर्द्विजैः परभृताः खलु पोषयति *ihre Brut* ČĀK. 118. निन्दसि पञ्चविधेरुक्त् श्रुतिजातम् GĪT. 1, 13. वचनजातम् *die Gesamtheit der Reden* 10, 9. जनय रदखण्डनं येन वा भवति सुखजातम् *oder was sonst immer angenehm heisst* 3. जाते *im Allgemeinen* Ind. St. 4, 140. = जाति AK. 1, 1, 4, 9. H. 1315, Sch. = श्रोत्र TRIK. 3, 3, 156. H. 1412. an. 2, 168 (lies: जात्योषजनिषु). MED. t. 18. नृनाण्डमत्स्यजात (v. l. °जाल) als Erkl. von पोताधान Fīschbrut H. 1347. — d) = जातकर्मन् Verz. d. B. H. No. 862. — TRIK. u. MED. geben dem n. noch die Bed. व्यक्त.

जातक (von जात) 1) adj. *erzeugt, geboren*: जारं^o M. 9, 143. — 2) m. a) *ein neugeborenes Kind* KAUC. 111. — b) *Bettler* DHAR. im ČKDR. — 3) n. a) = जातकर्मन् *Cerimonie nach der Geburt des Kindes*: जातकाभ्याः क्रियाः MBh. 1, 949. कुमारस्य — वाचयित्वाशियो विप्रैः कार्यामास जातकम् BHĀG. P. 6, 14, 33. — b) *Nativität, Nativitätslehre*: (तस्य) राजा विप्रैः — जातके कार्यामास वाचयित्वा च मङ्गलम् BHĀG. P. 1, 12, 13. °को-